**राजस्थान को ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''**
**योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ''श्रेष्ठ राज्य'' श्रेणी का मिला पुरस्कार**
**महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने नई दिल्ली में किया पुरस्कार ग्रहण**

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान को लगातार तीसरी बार ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से ''श्रेष्ठ राज्य'' श्रेणी से पुरस्कृत किया गया है।

राज्य की ओर से महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी से यह पुरस्कार ग्रहण किया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा राजस्थान द्वारा ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना में किए गए कार्यों की सराहना की गई।

''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ''सेक्स रेशो एट बर्थ'' में बढ़ोतरी वाले देश के 10 जिलों की श्रेणी में जोधपुर जिले को तथा ''अवेयरनेस जनरेशन एण्ड आउटरिच एक्टीविटीज'' श्रेणी के लिए श्रेष्ठ 10 जिलों श्रेणी में नागौर को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जोधपुर की ओर से महिला अधिकारिता उपनिदेशक श्री फरसा राम बिश्नोई द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया तथा नागौर की ओर से जिला कलेक्टर श्री दिनेश यादव द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य का वीडियो तथा नागौर एवं जोधपुर जिला स्तर पर किए गए ,''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना के नवाचारों को वीडियो के माध्यम से दिखाया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मान समारोह में ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना के अन्तर्गत देश के श्रेष्ठ पांच राज्यों तथा 20 जिलों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री के साथ महिला अधिकारिता विभाग के निदेशक पी.सी. पवन,''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. जगदीश प्रसाद, नागौर के उपनिदेशक महिला अधिकारिता श्री अशोक गोयल, सीकर की सहायक निदेशक महिला अधिकारिता श्रीमती अनुराधा सक्सेना भी उपस्थित रहे।